

## Newspaper Clips May 3, 2016

Hindustan ND 03/05/2016 P-3

Dainik Bhaskar ND 03.05.2016 P-08

### मंत्री से शिकायत के बाद आईआईटी हॉस्टलों में सुधार की पहल

देश के शीर्ष इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान आईआईटी में पढ़ रहे छात्रों की फीस में हाल ही में इजाफा किया गया। अब संस्थान के हॉस्टल में छात्र एयर कंडीशनर की सुविधा उठा सकेंगे। कुछ छात्रों ने हाल में मानव संसाधन विकास मंत्री को अपनी समस्याओं के बारे में शिकायत की थी। छात्रों का कहना था कि अत्यधिक गर्मी के दिनों में भी फैकल्टी उन्हें हॉस्टल में कूलर रखने की इजाजत नहीं देते और इससे उनकी शैक्षिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है। इसके बाद मंत्रालय हॉस्टल्स को नया रूप देने की योजना बना रहा है। देश के 18 आईआईटी संस्थानों में लगभग 80 हजार छात्र पढ़ रहे हैं। मंत्रालय एयर कूलिंग के साथ-साथ किचन और डाइनिंग एरिया में भी सुधार की पहल कर रहा है।



### Providing ACs at IIT hostels a good move

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx>

It is good to know that facilities in all IIT hostels will be improved to offer students a conducive atmosphere (After the fee hike, IIT students to get fully airconditioned hostels, May 2). Union HRD minister Smriti Irani should have made the announcement while announcing the hike in fees. As students from IITs are giving a fillip to PM Narendra Modi's initiative of encouraging young minds to opt for startups, it would only be prudent to provide them with good facilities and infrastructure to pursue their education.

### All new hostels to be built at IITs will be centrally air-conditioned

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx>

IIT students can look forward to some cool accommodation, as all new hostels will be centrally airconditioned. The human resource ministry, which recently ordered a fee hike at Indian Institutes of Technology, planned to modernise hostels including airconditioned common areas and stateoftheart kitchens, sources said. At the country's top engineering schools, which also enjoy a good standing worldwide, students have to live in hostels. At present, around 80,000 students are enrolled in 18 IITs, a majority of them are in areas where summer is harsh. Five more colleges are in the pipeline. HRD minister Smriti Irani paid a surprise visit to two hostels at IIT Delhi on Friday. She inspected the kitchen, halls and talked to the students about their problems. After interacting with the officials and students, the minister decided on an overhaul of the hostels, sources said. At the centre of various student agitations recently, the ministry has announced a string of measures for universities and engineering colleges.

# प्रदूषण की जांच में सेहत भी पैमाना

अरुणेश, नोएडा

औद्योगिक शहरों में बढ़ते प्रदूषण के मानक की जांच के लिए वहां के लोगों की सेहत भी पैमाना होगा। इस बाबत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नोएडा सहित देश के 88 औद्योगिक शहरों के प्रदूषण की जांच के लिए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित 20 राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन से अपनी रिपोर्ट 30 जून तक ऑनलाइन करने को कहा है। कार्रवाई रिपोर्ट 15 जून तक मांगी गई है। प्रदूषण का स्तर मापने के लिए आइआइटी दिल्ली द्वारा 2009-10 में तैयार किए गए कांप्रिहेंसिव इनवायरमेंट पॉल्यूशन इंडेक्स (सीईपीआई) में भी संशोधन किया गया है।

आइआइटी दिल्ली ने 43 औद्योगिक शहरों को प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर जबकि 32 को अति संवेदनशील प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल किया था। इसमें प्रदेश के गाजियाबाद, सिगरौली, नोएडा, आगरा, वाराणसी और मीरजापुर अति संवेदनशील जबकि मुरादाबाद, अलीगढ़, फिरोजाबाद को अति प्रदूषित बताया गया था।



- नोएडा सहित देश भर के 88 औद्योगिक शहरों का होगा नए पैमाने से सर्वे
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का उप्र सहित 20 राज्यों को सर्वे रिपोर्ट 30 जून तक ऑन लाइन करने के निर्देश



संशोधित इंडेक्स का प्रारूप आ गया है। इसके आधार पर नये सिरे से अध्ययन किया जाएगा।

डॉ भुवन यादव, सहायक पर्यावरणविद, क्षेत्रीय कार्यालय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उप्र

यह था पुराना पैमाना : प्रदूषण के स्तर का अध्ययन करने के लिए कांप्रिहेंसिव इनवायरमेंट पॉल्यूशन इंडेक्स के पुराने पैमाने के तहत उस शहर के वायु, अंडर ग्राउंड और सरफेस वाटर का अध्ययन कर 100 अंकों का इंडेक्स तैयार किया जाता है। जिस शहर का इंडेक्स 70 या इससे अधिक होता है उसे अति संवेदनशील तथा 60 से 70 के मध्य होने पर अति प्रदूषित की श्रेणी में रखा जाता है। इस

पैमाने पर कई राज्य सरकारों और औद्योगिक संगठनों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए संशोधन करने को कहा था।

सैपल को लेकर भी दिशा निर्देश : सैपल कहां और कैसे लिए जाएंगे इसे लेकर भी दिशा- निर्देश दिया गया है। इसके तहत चिन्हित स्थान का तीन सैपल लेना अनिवार्य होगा। सैपल एक या दो दिन के अंतराल पर लिया जाएगा।

## नया पैमाना

- हवा, जल और भूमिगत जल के अध्ययन के लिए 50 अंक निर्धारित
- स्वास्थ्य संबंधी अध्ययन के लिए 10 अंक (संबंधित शहर के प्रमुख तीन अस्पतालों के आसपास के वातावरण का भी अध्ययन)
- स्केल और औद्योगिक गतिविधियों के लिए 20 अंक।
- उद्योगों के अनुपालन की स्थिति के लिए 20 अंक।

18 की जगह 22 आईआईटी जेईई-एडवांस के जरिए दाखिला देंगे

# आईआईटी में 500 सीटें बढ़ीं, प्रक्रिया में बदलाव

## ख़ुशख़बरी

नई दिल्ली | रोहित पंगार

आईआईटी में इस बार सीट पाने के अधिक मौके होंगे। 18 की जगह 22 आईआईटी जेईई-एडवांस के जरिए दाखिला देंगे। ऐसे में करीब 500 सीटें बढ़ गई हैं। सभी संस्थानों को मिलाकर कुल करीब 10 हजार सीटें हो गई हैं।

आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर सुनीत तुली के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी से आईआईटी के लिए सबसे अधिक आवेदन आते हैं। इसके बाद मुंबई और दक्षिणी राज्यों से आवेदन आते हैं। प्रोफेसर कहते हैं कि नई सीटों में इजाफा होने से दिल्ली समेत देशभर के छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।

**काउंसलिंग की प्रक्रिया में भी बड़ा बदलाव:** एडवांस की परीक्षा के बाद काउंसलिंग में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब एक बार प्राथमिकता बताने के बाद दोबारा उसमें बदलाव संभव नहीं होगा। यानी छात्रों को आवेदन करते वक्त सोच समझकर बताना होगा कि वे

## दस हजार सीटें होंगी

इस बार आईआईटी गोवा, छत्तीसगढ़, जम्मू और कर्नाटक भी दाखिला दे रहे हैं। अभी 18 संस्थानों में 9500 से अधिक सीटें हैं। इनके शामिल होने से संस्थानों की संख्या 22 हो जाएगी। 10 हजार के लगभग सीटें हो जाएंगी। बता दें कि एडवांस के लिए आवेदन शुरू हो चुका है। 04 मई तक [www.jeeadv.ac.in](http://www.jeeadv.ac.in) पर पंजीकरण होगा। 22 मई को परीक्षा होगी। 12 जून को आईआईटी संस्थानों में दाखिले के लिए अंतिम परिणाम आएगा।

एनआईटी और आईआईटी संस्थानों में से किसमें दाखिला चाहते हैं। पिछले साल तक बदलाव करने का मौका मिलता था। काउंसलिंग की प्रक्रिया वेबसाइट [www.josaa.nic.in](http://www.josaa.nic.in) पर पूरी की जाएगी।

छात्र को एडवांस के परिणाम के आधार पर यहीं पंजीकरण कराना होगा। एडवांस कमेटी के एक अधिकारी ने बताया कि यदि कोई प्राथमिकता नहीं

## सीट पाने का फॉर्मूला बदला

काउंसलिंग का सीट जारी करने का फॉर्मूला बदला गया है। अब अगर छात्र का एनआईटी व आईआईआईटी में दाखिला हो जाता है तो बाद में आईआईटी संस्थान की मेरिट में भी नाम आता है तो पहले वाली एनआईटी की सीट खुद रद्द हो जाएगी। लेकिन छात्र को आईआईटी में तुरंत रिपोर्ट करना होगा। जैसे ही छात्र रिपोर्ट करेगा पहले वाली सीट कमेटी रद्द कर देगी। ऐसे में छात्र को पहले की तरह पुरानी सीट रद्द कराने की लंबी प्रक्रिया से गुजरना नहीं पड़ेगा।

बताता है तो आखिरी चुने गए संस्थान को छात्र की प्राथमिकता माना जाएगा। दरअसल, इस प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन करते वक्त संस्थानों के नाम पर क्लिक करना होता है।

इसके बाद दूसरे चरण में उन चुने गए संस्थानों में से प्राथमिकता बतानी होती है। अब प्राथमिकता नहीं बताई तो आखिरी क्लिक वाला संस्थान ही प्राथमिकता माना जाएगा।

# IIT-Madras all set to score a centum

The premier institute is quietly marching towards incubating 100 start-ups

**N RAMAKRISHNAN**

It has been a steady progress towards a landmark, not a case of nervous nineties. And, it is just one short of a quiet, no-frills century.

Wonder what this is all about? Well, IIT-Madras is all set to cross the landmark of incubating 100 start-ups in the three incubators it has - IIT-M Incubation Cell, Rural Technology and Business Incubator (RTBI) and Bio-incubator. It will soon add a fourth incubator, one focussed on medical technology.

It is a matter of time before the 100<sup>th</sup> venture is admitted for incubation; the screening committee cleared the 99<sup>th</sup> just last week. In a month, the IIT gets anywhere between five and 15 applications for incubation, not all of which are sent to the committee consisting of faculty, alumni and those with domain expertise, for approval, according to Tamaswati Ghosh, CEO, IITM Incubation Cell.

Ghosh, a doctorate in bio-physics from Imperial College, London, worked with start-ups in Kenya for a while, before shifting base to Chennai and joining the IIT-M Incubation Cell as its head, when it started in 2013.

IIT Madras incubates ventures from across the board, with all of them being technology start-ups. Many of them are in core engineering sectors, quite a few in manufacturing and others that are building products. It also has start-ups in the medical devices space, education, agriculture, so-

cial media and cloud computing, according to her.

The IIT-M Incubation Cell, structured as a not-for-profit company, is an umbrella body as far as the start-up ecosystem at IIT-Madras is concerned; it coordinates various activities involving faculty, alumni-turned-mentors, industry, alumni who want to become entrepreneurs and student-entrepreneurs. It also ensures that policies are uniform across incubators, takes care of all legal formalities and the common support services provided by the incubation cell.

#### Open for all

The incubation system is open not just for students and alumni of IIT-Madras, others too can apply, but "we do insist on identifying the value add that you would get from the ecosystem," says Ghosh. This means a faculty member will be associated with the venture right from the start in some kind of advisory role or the venture needs to use IIT-M's resources for its initial product development. That link up with IIT-M has to be established right at

the beginning, she adds. The incubation Cell gets funding from among others, the Department of Science and Technology and, now from companies, which are allowed to fund incubators located within academic institutions as part of their corporate social responsibility spend. This money is used to give seed funding ranging from ₹5 lakh to ₹50 lakh, for start-ups, depending on the stage they are in, for a nominal stake in the ventures. The StartUp Fund, a corpus created by alumni, is also available.

What are the changes that have happened in the three years that the Incubation Cell has been functional? The most significant development, she says, is that there have been a lot of spin-outs from the various research laboratories in IITM into business ventures. These may be ideas that the students were working on while part of their course,

with supervision of the faculty. This includes companies such as Ather Energy and Planys Technologies.

"This is a huge change in the last three years, that research is getting translated into commercial products," she says. Thanks to this, faculty involvement in the start-ups is also increasing. Policies and perspectives have changed, facilitating this.

The ecosystem is pretty well linked up now compared to what it was before; that is one of the roles the Incubation Cell has played, linking the various bodies, says Ghosh. There is greater industry participation, in nurturing the ecosystem. For instance, MM Murugappan, Vice-Chairman of the Chennai-based

Murugappa group, is one of the industrialists who spends time with the start-ups.

"Companies, says Ghosh, want to be more engaged with the ecosystem. They want to participate and mentor start-ups. "We are talking with various groups on holding hackathons, workshops, take up problem statements from the industry and throw them to the start-ups and the student population," she adds.

#### Strong research focus

IIT-Madras has had a strong research focus for quite some time, but over the last few years, thanks to more ventures getting started with faculty participation, there have been more instances of products ready to go-to-market. Academia is accepting commercialisation of their research work. Alumni who have worked in industry for a few years are coming back to the institute to start off ventures on their own, renewing their ties with their alma mater.

Thanks to all these developments, the buzz on campus has also changed. Instead of the talk being to which US university the graduates were headed or which large company they were joining, it is now focussed on which start-up they are joining or which venture they are starting off themselves. "We have the cream of IIT thinking in that direction. The whole mindset has changed so quickly and incredibly," says Ghosh.

With this kind of a momentum, it is not just a century, even a double or even a triple century seems certain.



*"We are talking with various groups on holding hackathons, workshops, take up problem statements from the industry and throw them to the start-ups and the student population."*

**TAMASWATI GHOSH**  
CEO, IITM Incubation Cell

## Kudos to IIT Bombay for setting up E-learning platform

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx>

It is not surprising that online platforms are becoming increasingly popular among students and teachers (Elearning tools strike gold with students and professors, May 2). The learning management system (LMS) tools make study material readily available to students. These tools also help teachers share lecture notes, quizzes and assignments with students. They also provide a platform to students to discuss and clear their doubts. IITBombay needs to be given credit for making it a success. Kudos to IITBombay .

## HRD ministry removes Hamirpur NIT director over faculty complaints

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx>

**HAMIRPUR:** The Union human resource development ministry on Monday sacked Prof Rajnish Kumar as the director of Hamirpur National Institute of Technology (NIT) with an immediate effect following his sharp differences with the teaching faculty. The Union human resource development minister Smriti Irani has deputed NIT Delhi director Prof Ajay Kumar Sharma to head the NIT in Hamirpur. Prof Sharma will take charge on Tuesday. He told HT over phone that he had received the appointment communication and he would be leaving for Hamirpur on Monday night. It's worth mentioning here that the working of the NIT, Hamirpur was under cloud since Prof Rajnish Srivastva took over as he had

sharp differences with the teaching faculty. The faculty under the banner of NITTHA had leveled allegations against him and had also met the HRD minister during her two visits to Hamirpur, demanding his immediate removal. Moreover, the state unit of the Akhil Bhartiya Vidyarthi Parishad (ABVP) had also threatened to launch a stir if Prof Srivastva was not removed and new a director appointed in his place. Though the news of the appointment of new director was in the air for the last couple of days it could not be confirmed due to holidays. There was jubilation among the teaching faculty at the institute soon after the news of Srivastva's removal broke out.

### **NIT Srinagar to get smart classrooms**

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx>

NEW DELHI: In what is being considered a move aimed at pacifying the protesting students, the human resource development (HRD) ministry has approved a project to create new laboratories and smart classrooms in the National Institute of Technology (NIT) Srinagar along with a number of other NITs across the country. According to sources, NIT Srinagar was initially not part of the Technical Education Quality Improvement Programme (TEQIP) project but it was included later after HRD minister Smriti Irani held a meeting with the officials concerned. A total of ` 200 crore have been earmarked for the programme. Under the project, the institutes will have to send their proposals to the ministry and will have to invest resources so as to improve the teaching material, modernise the libraries, increase access to knowledge resources and update learning resources among others. "The ministry has been engaging constructively with the NIT Srinagar students and other NITs too. A number of them have raised concerns over poor teaching methods and tools used by the faculty at NITs across the country. The ministry wants to revamp the institutes and improve the quality of education there too," said a senior HRD official. As part of TEQIP the ministry is also looking at revising curriculum to ensure the institutes become dynamic and demand driven. "We have been using archaic tools to teach in engineering institutes. These education institutes need to become more responsive to rapid economic and technological developments that are taking place. The project will help achieve such aims," said a senior HRD official.

### **IIT Ropar placements: 10% jump in average salaries**

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/chandigarh/IIT-Ropar-placements-10-jump-in-average-salaries/articleshow/52084762.cms>

Chandigarh: After being ranked 9th best engineering institution across India last month by the Union ministry of human resource development (MHRD), Indian Institute of Technology (IIT) Ropar has got another reason to rejoice with a better placement season for BTech students than last year. So far, 71 students have been placed with an average package of over Rs 12 lakh per annum, an increase of 10% over the last season.

Amazon, Google, Microsoft, PayPal, Arista Networks, Texas Instruments, Larsen & Toubro, Mahindra & Mahindra, Tata Motors, Coal India Limited, Anglo Eastern Ship Management, Steelwedge, Axtria, and Click Labs were some of the major recruiters this year.

Head of training and placement cell at IIT Ropar Ravi Mohan Prasad said, "The placements of BTech students passing out in 2016 are very encouraging. The response from industry has been overwhelming and we are glad to see 80% of our students placed already. More than 90% of the computer science engineering students and close to 58% of the mechanical engineering have been offered positions in core-technical companies."

The first-time recruiters this year include Saavn, Yodlee, TinyOwl, Grofers, Practo, CouponDunia, Steelwedge, Axtria, Click Labs, RockON, BRDS, Anglo Eastern Ship Management, Indus Valley Partners, Coal India Limited, and SyberPlace.

IIT Ropar director S K Das said, "We have been ranked among the top 10 engineering Institutes in the country and being

a new IIT, this is a big achievement for us. This is a benchmark we have set for ourselves and we hope to continue our effort in field of engineering research and aim to be among the top five research and teaching institutes in the coming few years."

The institute was ranked 9th among various research and teaching institutes in the country in the India Rankings 2016 by the National Institutional Ranking Framework (NIRF), MHRD at a function in New Delhi last month.

### **Seven IIMs hiked fee in last 2 years, Smriti Irani says**

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/chandigarh/IIT-Ropar-placements-10-jump-in-average-salaries/articleshow/52084762.cms>

NEW DELHI: Seven out of total 19 Indian Institutes of Management increased their tuition fees in the last two years with IIM-Lucknow hiking it by nearly 30 per cent, the government said on Monday.

HRD minister Smriti Irani shared data in Lok Sabha providing details on the fee hike. According to it, IIM-Ahmedabad and IIM-Shillong increased their fees by 5 per cent and IIM Lucknow by 29.6 per cent.

IIM-Calcutta hiked its fees by 17.3 per cent, IIM-Kozhikhode 23.1, IIM-Ranchi 19 and IIM-Trichy 20.

"The fees in IIMs is not linked to the fees in other institutions in the country. IIMs are autonomous institutions and are governed by their respective memorandum of associations and rules of the society which include the fixing of fees and other charges as per provisions contained therein," Irani said.

"The hike in tuition fee has not adversely affected poor- and lower-class students since institutes extend financial assistance, including up to full tuition fee waiver and maintenance allowance, to needy students," the minister said.